भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2174
उत्तर देने की तारीख 09.12.2024

सांस्कृतिक एवं उच्च प्रशिक्षण संस्थान

2174. श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के विभिन्न राज्यों में कार्यरत सांस्कृतिक और उच्च प्रशिक्षण संस्थानों की कुल संख्या कितनी है;
(ख) प्रत्येक संस्थान द्वारा अब तक प्राप्त उपलब्धियों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) प्रत्येक संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों/गतिविधियों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक संस्थान के लिए निर्धारित और जारी किए गए कुल बजट का ब्यौरा क्या है;
(ड.) क्या सरकार का उक्त संस्थानों द्वारा दिए जा रहे नवोन्मेषी और अनुसंधान प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए कोई कार्य योजना का प्रस्ताव है;
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(छ) क्या सरकार ने भारतीय और विदेशी शोधार्थियों को देश में सांस्कृतिक संस्थानों में परियोजनाएं या अनुसंधान संबंधी परियोजनाएं शुरू करने की अनुमति देने का निर्णय लिया है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): संस्कृति मंत्रालय के निम्नलिखित सांस्कृतिक और उच्च प्रशिक्षण संस्थान हैं जो देश में कार्य कर रहे हैं:

(i) पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुरातत्व संस्थान (पीडीयूआईए), ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश।
(ii) राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधानशाला (एनआरएलसी), लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
(iii) भारतीय विरासत संस्थान (आईआईएच), नोएडा, उत्तर प्रदेश।

(iv) कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान (केएफ), चेन्नई, तमिलनाडु

(v) सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी), नई दिल्ली

(vi) राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी), नई दिल्ली

(vii) अभिलेखीय अध्ययन विद्यालय (एसएएस), नई दिल्ली

(ख) और (ग) :

i. पीडीयूआईए छात्रों को पुरातत्व विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीए) प्रदान करने के साथ-साथ सेवारत अधिकारियों को प्रशिक्षण देता है।

ii. एनआरएलसी संरक्षण सेवाएं प्रदान करते हुए और संग्रहालय पेशेवरों एवं नए लोगों को संरक्षण संबंधी प्रशिक्षण देते हुए सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण में अनुसंधान के प्रति समर्पित है।

iii. आईआईएच कला, संस्कृति और विरासत के क्षेत्रों में नियमित एम.ए. और पीएचडी पाठ्यक्रम प्रदान करते हुए प्रशिक्षण देता है। आईआईएच कला इतिहास, संग्रहालय विज्ञान, पुरातत्व विज्ञान, पुरालेख विज्ञान, कला संरक्षण, एपीग्राफी और मुद्राशास्त्र में उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करता है।

iv. केएफ में भरतनाट्यम, कनार्टिक संगीत और दृश्य कलाओं में शिक्षण प्रदान करने वाला एक महाविद्यालय, एक सीबीएसई विद्यालय, एक राज्य बोर्ड विद्यालय, एक बुनाई और शिल्पकला इकाई सम्मिलित हैं।

v. सीसीआरटी विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शिक्षकों को प्रशिक्षित करता है।

vi. एनएसडी द्वारा एनएसडी, नई दिल्ली में तीन वर्ष का पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है यथा नाट्य कलाओं में डिप्लोमा।

vii. एसएएस संपूर्ण भारत और विदेश में कार्यरत विशेषज्ञों को अभिलेखीय विज्ञान, संरक्षण और रेप्रोग्राफी प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रशिक्षित करता है।

(घ): पिछले तीन वर्षों के बजट का विवरण निम्नानुसार है:-

(लाख रुपये में)

संस्थान का नाम	**वर्ष**		
	2021-22	**2022-23**	**2023-24**
पीडीयूआईए	702.85	791.90	889.47
एनआरएलसी	919.22	539.00	454.07
आईआईएच	2051.84	1902.00	1556.75
केएफ	1870.00	2175.00	2652.00
सीसीआरटी	3112.00	2495.00	2595.00
एनएसडी	5582.15	6366.42	6499.60
एसएएस	अलग से कोई बजट आवंटित नहीं किया गया।		

(ङ) और (च):

i. पीडीयूआईए में मौजूदा दो वर्षीय पीजीडीए पाठ्यक्रम को एक वर्षीय पाठ्यक्रम में परिवर्तित किया गया है, जिसमें व्यावहारिक और फील्ड प्रशिक्षण को अधिक महत्व दिया जाएगा।

ii. आईआईएच लद्दाख के करग्याम गांव में एक खानाबदोश संग्रहालय स्थापित कर रहा है। आईआईएच भारत में संग्रहालयों का सर्वेक्षण और अभिलेखीय अध्ययन भी कर रहा है, ताकि भारत के संग्रहालयों के ऐतिहासिक विकास की प्रवृत्ति को सामने लाया जा सके और हाल के दिनों में उभरे संग्रहालयों पर अद्यतन डेटा उपलब्ध कराया जा सके।

iii. एनआरएलसी ने सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण के क्षेत्र में दो सौ से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और पूरे भारत में कई कलाकृतियों को संरक्षित किया है।

iv. केएफ द्वारा रुक्मिणी देवी ललित कला महाविद्यालय, कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान के संकाय हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था करने के लिए कार्रवाई की गई है ताकि उनके ज्ञान को समृद्ध किया जा सके और उन्हें विभिन्न तकनीकों से अवगत कराया जा सके जिससे वे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर सकेंगे।

v. सीसीआरटी ने कई कदम उठाए हैं जैसे कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रौद्योगिकी का एकीकरण, मूल्यांकन और पाठ्यक्रम नवोन्मेष तथा नवोन्मेषी एवं शोध उन्मुखी प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करने हेतु फीडबैक तंत्र।

vi. एनएसडी आवधिक रूप से समीक्षा करता है। नए पाठ्यक्रमों और नई विशेषज्ञताओं की योजना तैयार की गई है। दिल्ली के बाहर और विदेश में नए केन्द्र खोले जाने की योजना है।

vii. एसएएस के पास नवीनतम आधुनिक अभिलेखीय प्रवृत्तियों और अभिलेखीय संस्थाओं की प्रशिक्षण आवश्यकताओं के मद्देनजर पाठ्यचर्या की पाठ्यक्रम विषयवस्तुओं के मूल्यांकन एवं जांच के उद्देश्य से "अध्ययन बोर्ड" नामक परामर्शदात्री बोर्ड मौजूद है।

(छ):

i. पीडीयूआईए	जी, हां।
ii. एनआरएलसी	
iii. आईआईएच	
iv. सीसीआरटी	
v. एनएसडी	
vi. एसएएस	
vii. केएफ	भारतीय और विदेशी शोध विद्वानों को कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान, चेन्नई में परियोजनाएं या शोध संबंधित परियोजनाएं करने की अनुमति देने से संबंधित कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

****